स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 257)
पृष्ठ 12+12=24
श्रावण, शुक्ल तृतीया संवत् 2083
शनिवार, 15 अगस्त 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naidunialive.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ

'स्वतंत्रता दिवस' के पावन पर्व पर नईदुनिया परिवार की ओर से अपने शुभचिंतकों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं एजेंट बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

अवकाश की सूचना

'स्वतंत्रता दिवस' के पावन पर्व पर 15 अगस्त शनिवार 2026 को नईदुनिया कार्यालय में अवकाश रहेगा, अगला अंक 17 अगस्त 2026 सोमवार को प्रकाशित होगा। कृपया सभी एजेंट बंधु और विज्ञापनदाता नोट कर लें।

प्रबंध संपादक

सिंधु जल संधि निलंबित करना राष्ट्र हित में : राष्ट्रपति

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य, विद्यार्थियों के भविष्य और परीक्षा व्यवस्था में सुधार पर भी जोर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में, विशेषकर किसानों के लिए, निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है और नागरिकों को राष्ट्र के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है और देशवासी इस भावना को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुआ और इसके बाद विद्यार्थी, शिक्षक, वैज्ञानिक, इंजीनियर, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, श्रमिक और किसान राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को भारत का भविष्य निर्माता बताते हुए कहा कि जिस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सरकार और समाज का एकजुट रहना जरूरी है, उसी तरह विद्यार्थियों के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी सभी के सम्मिलित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रयास कर रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत ने तेज गति से समावेशी विकास किया है। 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफलता मिली है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत लगभग 59 करोड़ खाताधारक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं, जिनमें 32 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। 80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क राशन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। विदेश नीति देशहित पर आधारित है। भारत ने अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं।

टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में फंसे 22 में से 19 लोग सुरक्षित निकाले गए

नईदुनिया ब्यूरो, चमोलीः मायापुर स्थित टीएचडीसी की निर्माणाधीन टीआरटी टनल में मलबा और पानी भरने के बाद रातभर राहत एवं बचाव अभियान जारी रहा। टनल में फंसे 22 लोगों में से 19 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि तीन की तलाश जारी है। घटना के बाद बचाव कार्य के लिए टनल के अंदर गए सभी छह बचावकर्मी भी सुरक्षित हैं। हादसे में अब तक सात लोगों की मृत्यु की सूचना है।

छात्रों को विरोध का अधिकारः सीजेआई सूर्यकांत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के छात्रों पर कार्रवाई के पत्र पर नाराजगी जताई।

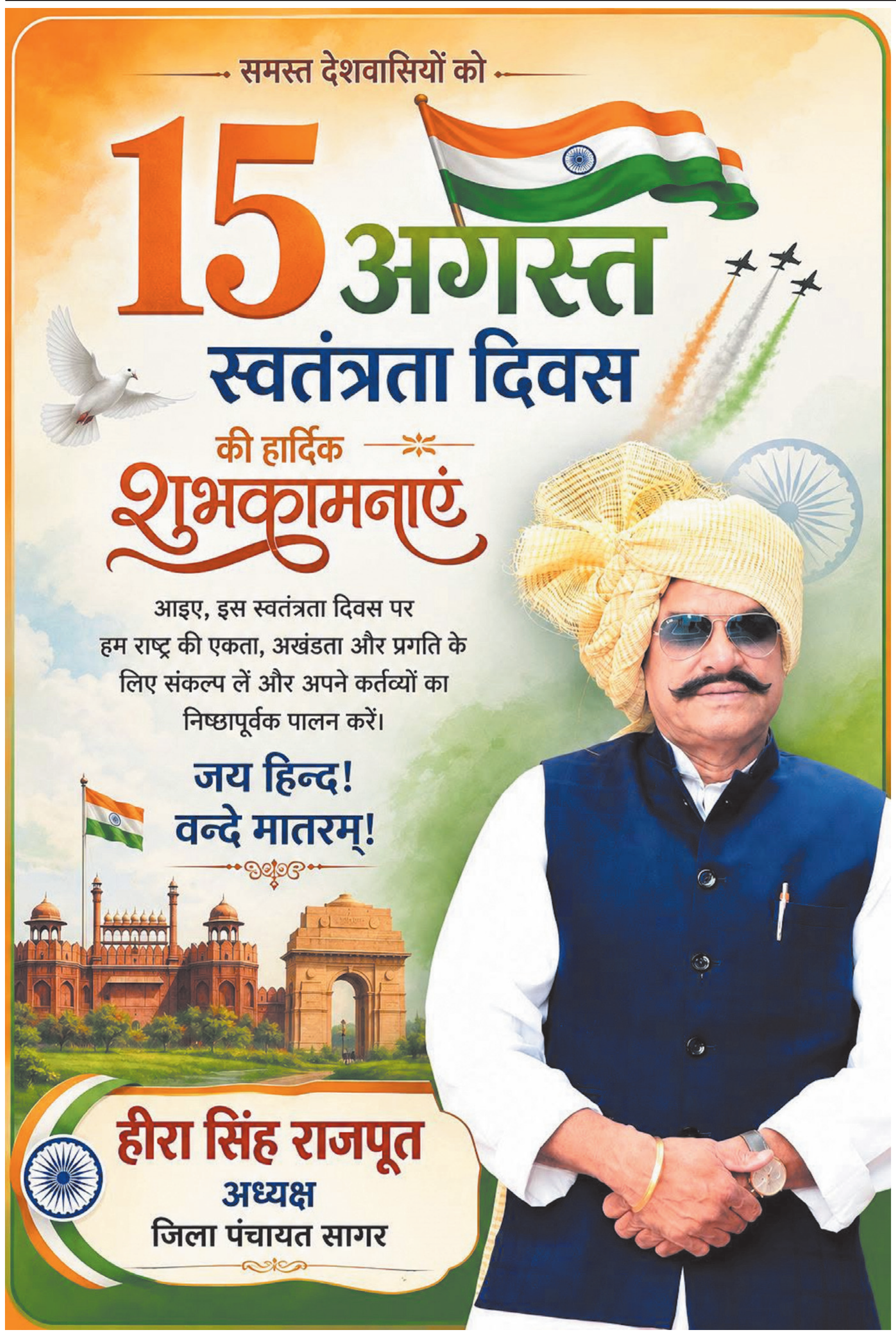

लापरवाही पर मुख्यमंत्री की सख्ती सात अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

नामांतरण, आवास किस्त और संबल योजना में देरी पर कार्रवाई, एक को नोटिस

नईदुनिया ब्यूरो, भोपाल/बड़वानीः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत बड़वानी में जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम के दौरान शासकीय कार्यों में लापरवाही और योजनाओं का लाभ देने में देरी पर सात अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। एक अधिकारी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया।

मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रकरणों के निराकरण में हुई देरी पर नाराजगी जताई। नामांतरण में लगभग छह वर्ष की देरी के मामले में तत्कालीन तहसीलदार आशा परमार तथा पटवारी मांगीलाल नरगांवे और ललित बोरसे को निलंबित करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राही को किस्त मिलने में देरी के मामले में तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी मायाराम सोलंकी, जगदीश धाकड़ और सहायक यंत्री राजू डावर को निलंबित किया गया। संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन इंदौर एस.के. सिन्हा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। संबल योजना के तहत अंत्येष्टि एवं अनुग्रह सहायता में देरी के मामले में तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ सिंह ठाकुर को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के भुगतान में देरी और पशु बीमा राशि के भुगतान में दो वर्ष से अधिक समय लगने के मामलों की जांच के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय-सीमा में मिले और शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को अपने अधिकारों और योजनाओं के लाभ के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। लापरवाही और अनावश्यक विलंब पर जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सेवा पदक देने की घोषणा

देशभर के 301 पुलिस और फायर सर्विस कर्मियों को वीरता पदक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर पुलिस, फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और जेल सेवाओं के 1,057 कर्मियों को गैलेंट्री और सेवा पदक देने की घोषणा की है।

इनमें 301 गैलेंट्री मेडल, 92 प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 664 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय जांच ब्यूरो के 21 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा।

कुल 301 गैलेंट्री मेडल में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक 197 कर्मी वामपंथी उग्रवाद यानी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं। जम्मू-कश्मीर के 51, पूर्वोत्तर के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी गैलेंट्री मेडल दिया गया है। यह सम्मान जान बचाने, संपत्ति की रक्षा करने, अपराध रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने वाले कर्मियों को दिया जाता है। सरकार ने 92 कर्मियों को प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस प्रदान किया है। इनमें 83 पुलिस, चार फायर सर्विस, तीन सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड तथा दो सुधार सेवा कर्मी शामिल हैं। यह सम्मान विशेष और उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है।

आजादी का 80वाँ वर्ष

नए भारत का संकल्प

15 अगस्त हमारे राष्ट्रीय जीवन का वह विशेष दिन है, जब तिरंगे को देखते ही मन गर्व से भर उठता है। यह केवल स्वतंत्रता का उत्सव नहीं, बल्कि उन अनगिनत बलिदानों को स्मरण करने का अवसर है, जिनकी कीमत चुकाकर देश ने आजादी हासिल की। स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले ज्ञात-अज्ञात सेनानियों के त्याग के कारण ही आज हम एक स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक के रूप में अपने भविष्य का निर्माण कर पा रहे हैं।

आजादी के 80वें वर्ष में भारत की यात्रा को पीछे मुड़कर देखना गर्व से भर देता है। 1947 का भारत और आज का भारत कई मायनों में अलग है। तब देश के सामने गरीबी, अशिक्षा, खाद्यान्न संकट और कमजोर आधारभूत ढांचे जैसी बड़ी चुनौतियां थीं। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है। अंतरिक्ष से लेकर डिजिटल तकनीक तक, विज्ञान से लेकर रक्षा क्षेत्र तक और खेल से लेकर स्टार्टअप की दुनिया तक भारतीय प्रतिभा ने अपनी क्षमता साबित की है। यह उपलब्धियां केवल सरकारों की नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की मेहनत और संकल्प का परिणाम हैं।

लेकिन आजादी का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता, सामाजिक सद्भाव, समान अवसर और न्याय में दिखाई देती है। इसलिए 80वें स्वतंत्रता वर्ष का उत्सव हमें यह सोचने का अवसर भी देता है कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। गांव और शहर के बीच की दूरी कम हो, शिक्षा और स्वास्थ्य हर व्यक्ति तक पहुँचे, युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें तथा महिलाएं विकास की यात्रा में बराबर की भागीदार बनें – यही स्वतंत्रता की सार्थकता है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता है। अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवनशैलियां मिलकर भारत की पहचान बनाती हैं। आज जब दुनिया में अनेक जगहों पर विभाजन और टकराव दिखाई देते हैं, तब भारत का लोकतांत्रिक और बहुलतावादी चरित्र और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। हमें अपनी असहमतियों को संवाद में बदलने और विविधता को कमजोरी नहीं, ताकत मानने की जरूरत है। देश तभी आगे बढ़ेगा, जब विकास के साथ सामाजिक विश्वास भी मजबूत होगा।

आजादी के 80वें वर्ष में हमारी जिम्मेदारी केवल अतीत पर गर्व करने की नहीं, बल्कि अपने वर्तमान को बेहतर बनाने और भविष्य की मजबूत नींव रखने की है। देश निर्माण केवल सीमा पर खड़े सैनिक या शासन व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं है। ईमानदारी से अपना काम करना, कानून का सम्मान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, पर्यावरण को बचाना, जरूरतमंद की मदद करना और समाज में भाईचारा बनाए रखना भी राष्ट्रसेवा है। छोटे-छोटे नागरिक दायित्व मिलकर ही बड़े राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

इस अवसर पर लोकतंत्र की उस शक्ति को भी याद करना जरूरी है, जिसने भारत को दुनिया के सामने एक मिसाल बनाया। स्वतंत्रता के साथ हमें संविधान मिला, जिसने नागरिकों को अधिकार दिए और शासन को जिम्मेदार बनाया। इन अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी जरूरी है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी, अधिकारों के साथ कर्तव्य और विकास के साथ संवेदनशीलता – यही एक परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है।

आज का भारत आत्मविश्वास के साथ दुनिया की ओर देख रहा है। अब लक्ष्य केवल समस्याओं से बाहर निकलना नहीं, बल्कि दुनिया के लिए समाधान देने वाला देश बनना है। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब हम अपने युवाओं की प्रतिभा, किसानों की मेहनत, श्रमिकों के श्रम, उद्यमियों की ऊर्जा और वैज्ञानिकों की सोच को समान महत्व देंगे। आने वाले भारत की तस्वीर सरकार और समाज के साझा प्रयास से ही बनेगी। यह स्वतंत्रता दिवस हमें ऐसा संकल्प लेने का अवसर भी देता है, जिसमें राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यही उन स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

*इस ऐतिहासिक अवसर का एक विशेष भावनात्मक पक्ष हमारे **नईदुनिया** परिवार के लिए भी है। भारत की आजादी के कुछ ही दिन पहले 5 जून 1947 को शुरू हुआ **नईदुनिया** समाचार-पत्र भी अब 80 वर्ष की यात्रा पूरी कर चुका है। देश की आजादी और **नईदुनिया** की विकास यात्रा लगभग साथ-साथ आगे बढ़ी हैं। इन आठ दशकों में देश बदला, समाज बदला, तकनीक बदली और पत्रकारिता के माध्यम भी बदले, लेकिन पाठकों का विश्वास और जनसरोकार की भावना इस यात्रा की सबसे बड़ी पूंजी बनी रही।*

*आज 80वें स्वतंत्रता वर्ष में तिरंगे को नमन करते हुए **नईदुनिया** परिवार भी अपने 80 वर्षों की यात्रा को उसी भावना के साथ देखता है – एक ऐसे भारत की यात्रा, जो लगातार आगे बढ़ रहा है और हर नई चुनौती के सामने नई उम्मीद के साथ खड़ा है। स्वतंत्रता की इस अमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना और लोकतंत्र, समाज तथा देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाते रहना ही इस अवसर पर हमारा सबसे बड़ा संकल्प है।*

वन्दे मातरम्!

अपूर्व तिवारी
अपूर्व तिवारी
संपादक

खास-खबरें

बैंकॉक में फंसे 200 भारतीय यात्री

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एयर इंडिया की उड़ान में तकनीकी खराबी आने के बाद करीब 200 भारतीय यात्री दो दिन से फंसे हुए हैं। इनमें मध्यप्रदेश के कई यात्री भी शामिल हैं। यात्रियों के अनुसार उड़ान रनवे से वापस लौट आई, जिसके बाद उन्हें लगातार उड़ान के समय में बदलाव की जानकारी दी जाती रही। यात्रियों का कहना है कि एयर इंडिया ने न तो उड़ान रद्द की और न ही उन्हें दूसरी उड़ान की व्यवस्था उपलब्ध कराई। कभी दो तो कभी चार घंटे की देरी बताई जा रही है। यात्रियों के अनुसार वे गुरुवार शाम से एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे हैं।

पाँच कॉमेडियनों के खिलाफ मामला रद्द

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन समय रैना समेत पांच लोगों के खिलाफ दिव्यांगों पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मामले शुक्रवार को रद्द कर दिए। ये मामले 'इंडियाज गॉट लेटेंट' कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक उड़ाने संबंधी टिप्पणियों को लेकर दर्ज किए गए थे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने समय रैना, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के खिलाफ दर्ज मामले रद्द किए। अदालत ने दिव्यांगों के लिए जागरूकता और धन जुटाने के प्रयासों की सराहना की। मनोरंजन सामग्री में दिव्यांगों की गरिमा से जुड़े नियमों पर विचार करेगी।